

अशोरेत कौन थी?

अन्य बाइबल सम्बन्धित प्रश्न

अशोरा या अशोरेत प्राचीन सीरिया, फीनिके, और कनान में पूजा की जाने वाली प्रमुख स्त्री देवी का नाम था। फीनिके के लोग इसे अशोरेत, अशूर के लोग इसकी पूजा ईशतार के रूप में करते थे और पलिशती वासियों के पास अशोराह का मन्दिर था (1 शमूएल 31:10)। कनान देश के इस्राएल के ऊपर अधूरी विजय के कारण, अशोरा-की-पूजा इस्राएल में ठीक तब जीवित हो गई, जैसे ही यहोशू की मृत्यु हुई जीवित हो गई और इस्राएल इससे भर गया (न्यायियों 2:13)।

अशोरा का प्रतिनिधित्व भूमि में रोपित एक बिना किसी अंग के वृक्ष की शाखा के द्वारा किया जाता था। शाखा के ऊपर सामान्य रूप से एक देवी के संकेत का प्रतिनिधित्व करता हुआ चित्र खुदा हुआ होता था। नक्काशीदार वृक्षों के साथ सम्बद्ध होने के कारण, अशोरा की पूजा के स्थान को सामान्य रूप से "लाठ" कह कर पुकारा जाता था और इब्रानी भाषा का शब्द "अशोरा" (बहुवचन, "अशोरीम") भी देवी या लाठ का उल्लेख कर सकता है। राजा मनश्शे के बुरे कामों में से एक यह है कि "अशोरा की जो मूर्ति उसने खुदवाई, उसको उसने उस भवन में स्थापित किया" था (2 राजा 21:7)। "अशोरा के नक्काशीदार खम्भे" का एक अन्य अनुवाद "लाठ के ऊपर खुदे हुए चित्रों का होना" (अंग्रेजी के जे वी अनुवाद) है।

अशेरा को चन्द्रमा-देवी के रूप में जाना जाता था, जिसे अक्सर अपने पति बाल अर्थात् सूर्य-देवता के साथ प्रस्तुत किया जाता था (न्यायियों 3:7, 6:28, 10:6; 1 शमूएल 7:4, 12:10)। अशेरा की प्रेम और युद्ध की देवी और एक अनात नामक एक कनानी देवी के साथ जोड़ते हुए भी पूजा की जाती गई थी। अशेरा की पूजा अपनी कामुकता के लिए विख्यात थी और इसमें अनुष्ठानिक वेश्यावृत्ति सम्मिलित थी। अशेरा के पुरुष पुजारी और स्त्री पुजारी भावी उच्चारण करना और अच्छे भाग्य-वचनों को देने का भी अभ्यास किया करते थे।

यहोवा परमेश्वर ने मूसा के द्वारा अशेरा की पूजा करने से मना किया। व्यवस्था विशेष रूप से कहती है कि लाठों अर्थात् वृक्षों के झुण्डों को यहोवा की वेदी के पास नहीं होना चाहिए था (व्यवस्थाविवरण 16:21)। परमेश्वर के स्पष्ट निर्देशों के दिए जाने के पश्चात् भी अशेरा-की-होने वाली पूजा इस्राएल में निरन्तर एक बनी रहने वाली समस्या थी। जब सुलैमान मूर्तिपूजा में चला गया, तब वह अपने राज्य में मूर्तिपूजक देवताओं में से एक अशेरा को ले आया था, जिसे "सिदोनियों की देवी" कहा जाता था (1 राजा 11:5, 33)। इसके पश्चात्, ईज़ेबेल के समय अशेरा-की-पूजा और भी अधिक चरम पर हो गई थी (1 राजा 18:19), जिसने अशेरा के 400 भविष्यद्वक्ताओं का संरक्षण करते हुए और इसे और अधिक प्रचलित कर दिया। कई बार, इस्राएल ने आत्म जागृति का अनुभव किया, और अशेरा-की-पूजा के विरुद्ध उल्लेखनीय धर्म युद्ध गिदोन (6: 25-30), राजा आसा (1 राजा 15:13), और राजा योशियाह (2 राजा 23: 1-7) के नेतृत्व में किए गए थे।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-who-asherah.html> | English: <https://www.gotquestions.org/who-Asherah.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org